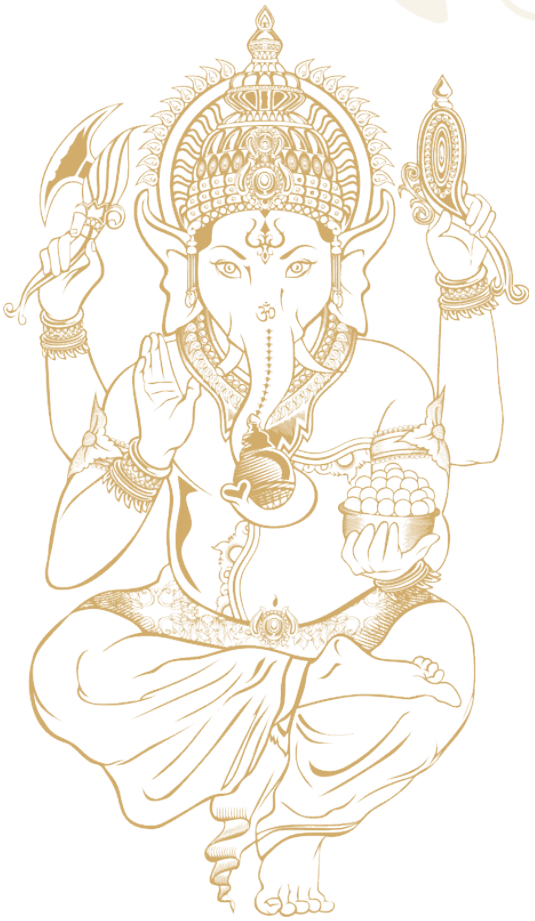

Mr. Manish Gupta

Ms. Pooja Gupta

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119691602

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
11/06/1983	जन्म तिथि	08/10/1992
शनिवार	दिन	गुरुवार
घंटे 07:27:00	जन्म समय	10:08:00 घंटे
घटी 06:01:22	जन्म समय(घटी)	10:38:52 घटी
India	देश	India
Gorakhpur	स्थान	Deoria
26:45:00 उत्तर	अक्षांश	26:31:00 उत्तर
83:23:00 पूर्व	रेखांश	83:48:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:03:32	स्थानिक संस्कार	00:05:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:02:27	सूर्योदय	05:50:40
18:49:34	सूर्यास्त	17:33:39
23:37:15	चित्रपक्षीय अयनांश	23:45:38

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 6वर्ष 4मा 24दि	27:43:58	मिथु	लग्न	वृश्चि	16:35:29	राहु 11वर्ष 2मा 17दि
शनि	25:59:05	वृष	सूर्य	कन्या	21:23:41	शनि
04/11/2023	24:28:25	वृष	चंद्र	कुंभ	11:41:35	26/12/2019
04/11/2042	23:57:55	वृष	मंगल	मिथु	19:47:40	26/12/2038
शनि 07/11/2026	02:28:41	वृष	बुध	तुला	07:24:07	शनि 29/12/2022
बुध 17/07/2029	10:40:30	वृश्चि व	गुरु	कन्या	05:44:17	बुध 07/09/2025
केतु 26/08/2030	11:14:22	कर्क	शुक्र	तुला	22:10:42	केतु 17/10/2026
शुक्र 26/10/2033	04:26:22	तुला व	शनि व	मक	18:06:43	शुक्र 16/12/2029
सूर्य 08/10/2034	01:27:31	मिथु व	राहु व	धनु	00:34:32	सूर्य 28/11/2030
चन्द्र 08/05/2036	01:27:31	धनु व	केतु व	मिथु	00:34:32	चन्द्र 29/06/2032
मंगल 17/06/2037	12:57:16	वृश्चि व	हर्ष	धनु	20:22:56	मंगल 08/08/2033
राहु 23/04/2040	04:28:07	धनु व	नेप	धनु	22:27:03	राहु 13/06/2036
गुरु 04/11/2042	03:16:49	तुला व	प्लूटो	तुला	27:39:59	गुरु 26/12/2038

लग्न-चलित

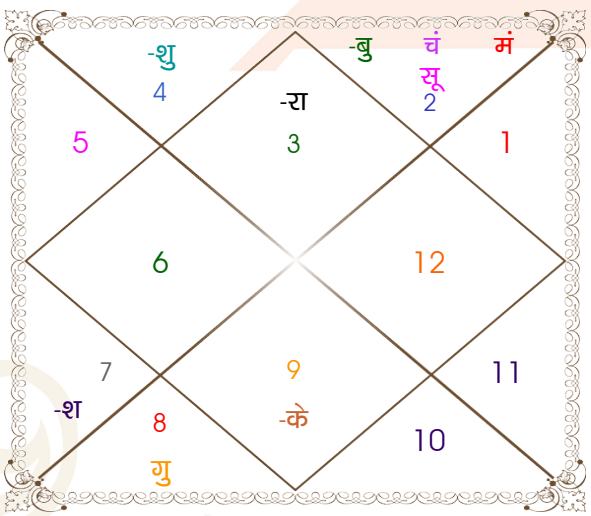

लग्न-चलित

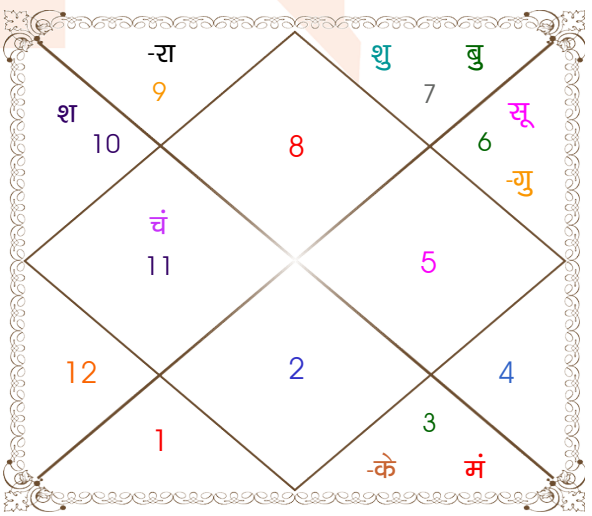

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सर्प	अश्व	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

डतण् डंदपेी ळनचजं का वर्ग मृग है तथा डेण् च्ववरं ळनचजं का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण् डंदपेी ळनचजं और डेण् च्ववरं ळनचजं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण् डंदपेी ळनचजं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डतण् डंदपेी ळनचजं कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र डतण् डंदपेी ळनचजं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण् च्ववरं ळनचजं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डेण् च्ववरं ळनचजं कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण् डंदपेी ळनचजं तथा डेण् च्ववरं ळनचजं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।